Guru Nanak Dev Lecture Sub: “Shopping Mall me Hamid”

The 1st Guru Nanak Dev Lecture was organized by the Department of Hindi on 26th August, 2017 in the Seminar Room of the College. The main speaker was Dr. Gautam Sanyal, former H.O.D. Dept. of Hindi, Burdwan University (West Bengal) and a distinguished critic of Hindi literature. He presented a talk on “Shopping Mall me Hamid” in which he chose to focus on the social change and social structure vis-a-vis Premchand Literature.

EGE, DHANBAD
'B' Grade
Prabandhak Committee, Dhanbad)
University, Hazaribag
LECTURE SERIES

GURU NANAK CO
NAAC Accreditate
& Managed by Gurudwara
&
iated to Vinoba Bhave

GURU NANAK COLLEGE, DHANBAD
GURU NANAK DEV LECTURE SERIES

GURU NANAK COLLEGE, DHANBAD
NAAC Accreditated 'B' Grade
(Established & Managed by Gurudwara Prabandhak Committee, Dhanbad)
&
Affiliated to Vinoba Bhave University, Hazaribag

GURU NANAK COLLEGE, DHANBAD

GURU NANAK COLLEGE, DHANBAD
NAAC Accreditated 'B' Grade
(Established & Managed by Gurudwara Prabandhak Committee, Dhanbad)
&
Affiliated to Vinoba Bhave University, Hazaribag

Press Release

पुनर्पाठ अपने संदर्भ में भविष्य को ढूंढ़ लेता है : डॉ. सान्याल

- 'ईदगाह का पुनर्पाठ- शॉपिंग माल में हामिद' पर विमर्श
- बाजार के प्रभाव पर जोरदार चोट

वरीय संवाददाता ▸ धनबाद

पुनर्पाठ अतीत का अवगाहन नहीं है. वह व्यतीत का आचमन भी नहीं है. वह किसी क्लासिक के प्रति नैवेद्यवादी मूल्यांकन भी नहीं है. वह पश्यंती की पृष्ठभूमि भी नहीं है. पुनर्पाठ भविष्य को अपने संदर्भ में ढूंढ़ ही लेती है. ये सूत्र वाक्य हैं विख्यात आलोचक व उत्तर आधुनिक भाष्यकार तथा वर्दवान विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के भूतपूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. गौतम सान्याल के. डॉ सान्याल गुरुनानक कॉलेज भूदा कैंपस में शनिवार को हिंदी विभाग की ओर से ''ईदगाह का पुनर्पाठ : शॉपिंग माल में हामिद'' पर केंद्रित व्याख्यानमाला में बोल रहे थे.

कार्यक्रम का संचालन करते प्रो अरविंद कुमार, प्राचार्य, डॉ सान्याल व अन्य. फोटो । प्रभात खबर

कहानी का उत्तर आधुनिक भाष्य : डॉ. सान्याल. ने प्रेमचंद की कहानी ''ईदगाह'' का उत्तर आधुनिक पाठ प्रस्तुत करते हुए कहा : पुनर्पाठ वर्तमान को छूते हुए आगे निकल जाती है. भाव है कि पॉकेट में तीन पैसे लेकर गये हामिद को बाजार में एक से बढ़ कर एक वस्तु खरीदारी के लिए लुभाती है, लेकिन वह चयन अपनी जरूरत के लोहे की चिमटा से पूरा करता है. इसके अभाव में उसकी दादी अमीना का हाथ रोटी पकाते हुए जल गयी थी. कहने का तात्पर्य है कि लुभावने सामान हामिद को कुछ दूसरा खरीदने के लिए प्रभावित नहीं कर सकी.यह कहानी एक तरह से बाजार के प्रभाव पर जोरदार चोट करती है. इससे पूर्व व्याख्यानमाला की शुरुआत डॉ. गौतम सान्याल को पुष्प गुच्छ प्रदान करने से हुई. तत्पश्चात प्रचार्य प्रो.पी शेखर ने उन्हें शॉल ओढ़ा कर तथा डॉ. रंजना दास ने स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया. कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अरविंद कुमार ने किया. मौके पर शासी निकाय के अध्यक्ष सरदार आरएस चहल, सचिव सरदार दिलजॉन सिंह ग्रेवाल विशेष रूप से उपस्थित थे. धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्य प्रो. पी शेखर ने किया. मौके पर प्रो. देवाशीष बोस, डॉ. गोपाल शर्मा, डॉ. मुनीश्वर प्रसाद, डॉ. संजय प्रसाद, डॉ. मीना मालखंडी, प्रो. संजय सिन्हा, प्रो. अमरजीत सिंह, प्रो.संतोष कुमार, प्रो. दीपक कुमार आदि थे.

'प्रभात खबर' / 27 अगस्त, 2017